भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 17/03/2020 को एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 17 मार्च, 2020 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस हिंदी कार्यशाला में कुल 26 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के व्याख्याताओं ने अलग – अलग विषयों पर अपने व्याख्यान दिए । इसमें भारतीय खान ब्यूरो के डॉ. पी. के. जैन, मुख्य खनिज अर्थशास्त्री एवं राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्य योजना, श्री दिनेश कुमार, प्रशासन अधिकारी ने प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का महत्व तथा श्री असीम कुमार, कनि. अनुवाद अधिकारी ने हिन्दी तिमाही रिपोर्ट आदि विषयों पर अपने व्याख्यान दिए ।

अपने व्याख्यान में डॉ. पी. के. जैन, मुख्य खनिज अर्थशास्त्री एवं राजभाषा अधिकारी ने हिंदी कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की राजभाषा नीति का ही एक अंग है । उन्होंने प्रतिभागियों के समक्ष भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी तथा हिन्दी के प्रति महात्मा गांधी के विचारो से उपस्थितों को अवगत कराया साथ ही कहा कि हिन्दी में विश्व भाषा बनने के सभी

गुण है पश्चात उन्होनें स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी की उपयोगिता के बारें में भी विस्तृत जानकारी दी । श्री दिनेश कुमार, प्रशासन अधिकारी ने प्रशासन, प्रशासनिक एवं स्थानीय प्रशासन आदि शब्दों के भेद को बताते हुए प्रशासन के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी तथा प्रशासन की भूमिका, उसके कार्यों एवं कार्यालय की प्रणालि आदि को विस्तार से समझाते हुए कार्यालय के दैनंदिन कार्य की भी जानकारी दी ।

श्री असीम कुमार, कनि.अनुवाद अधिकारी ने तिमाही रिपोर्ट भरते हुए क्या सावधानी बरती जाए इसकी जानकारी देते हुए इसके प्रारूपण से प्रतिभागियों को अवगत कराया साथ ही रिपोर्ट में आंकडो को भरते समय होने वाली सभी भ्रांतियों को दूर किया ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की ।

कार्यशाला के पश्चात सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई । सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं की साथ ही यह भी कहा कि कार्यशाला में व्याख्याओं के साथ विचार – विमर्श आवश्यक है तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुझाव दिया कि इस

प्रकार की हिंदी कार्यशाला का समय बढाना चाहिए तथा प्रतिभागियों ने कार्यशाला में दी जाने वाली हिन्दी की जानकारी से संबंधित साहित्य उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया । साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया ।

अंत में श्री ए. के. शर्मा, सहायक संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।

.....

17/03/2020 11:08

17/03/2020 15:38

भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर
हिंदी कार्यशाला
17/03/2020 11:51